विषयानुक्रम

प्रथम प्रकाश

१,२.	द्रव्य के भेद	५
३.	द्रव्य का लक्षण	७
४.	धर्मास्तिकाय का लक्षण	७
५.	अधर्मास्तिकाय का लक्षण	७
६.	आकाश का लक्षण	९
७.	आकाश के भेद	९
८.	लोक का लक्षण	९
९.	जीव और पुद्गल के संयोग से लोक की विविधता	११
१०.	जीव और पुद्गल का संयोग	११
११.	संयोग के प्रकार	११
१२.	लोक की स्थिति	११
१३.	अलोक का स्वरूप	११
१४.	पुद्गल का लक्षण	११
१५.	पुद्गल के धर्म	१३

१६. पुद्गल के भेद १५
१७. परमाणु का लक्षण १५
१८. स्कन्ध-का लक्षण १७
१९. स्कन्ध-रचना की प्रक्रिया १७
२०,२१. परमाणुओं के सम्बन्ध की प्रक्रिया १७-१९
२२. काल के भेद २१
२३. काल को जानने के प्रकार २३
२४. एकव्यक्तिक और गतिशून्य द्रव्य २३
२५. धर्म, अधर्म, लोकाकाश और एक जीव के
असंख्य प्रदेशों का निरूपण २३
२६. अलोकाकाश के अनन्त प्रदेश २३
२७. पुद्गल के संख्येय, असंख्येय और अनन्त प्रदेश २३
२८. परमाणु के प्रदेश नहीं २३
२९. काल का अप्रदेशित्व २३
३०. देश का लक्षण २३
३१. प्रदेश का लक्षण २५
३२. धर्म, अधर्म का अवगाह २५
३३. पुद्गल का अवगाह २५
३४. जीव का अवगाह २५
३५. काल का प्रमाण २७
३६. गुण का निरूपण २७
३७. गुण के भेद २७
३८. सामान्य गुण के प्रकार २९
३९. विशेष गुण के प्रकार २९
४०. पर्याय का निरूपण ३१

४१. पर्याय के प्रकार ३३
४२. व्यञ्जन पर्याय का निरूपण ३३
४३. अर्थ पर्याय का निरूपण ३३
४४. स्वभाव पर्याय का निरूपण ३३
४५. विभाव पर्याय का निरूपण ३३
४६. पर्याय के लक्षण ३५

द्वितीय प्रकाश

१. तत्त्व के भेद ३७
२. जीव का लक्षण ३७
३. उपयोग की परिभाषा ३७
४. उपयोग के प्रकार ३७
५. साकारोपयोग की परिभाषा ३७
६. ज्ञान के भेद ३६
७. मतिज्ञान की परिभाषा ३६
८. मतिज्ञान के प्रकार ३६
९. अवग्रह की परिभाषा ३६
१०. अवग्रह के प्रकार ३६
११. ईहा की परिभाषा ४१
१२. अवाय की परिभाषा ४१
१३. धारणा की परिभाषा ४२
१४. श्रुतज्ञान की परिभाषा ४३
१५. श्रुतज्ञान के भेद ४३
१६. अवधिज्ञान की परिभाषा ४३
१७. देव और नारकों के भवहेतुक अवधिज्ञान ४३

१८. मनुष्य और तिर्यञ्चों के क्षयोपशम हेतुक अवधिज्ञान ४५
१९. अवधिज्ञान के प्रकार ४५
२०. मनः पर्यायज्ञान की परिभाषा ४५
२१. मनः पर्याय ज्ञान के भेद ४५
२२. मनः पर्यायज्ञान से अवधिज्ञान का पार्थक्य ४५
२३. केवलज्ञान की परिभाषा ४५
२४. अज्ञान का निरूपण ४७
२५. अनाकारोपयोग की परिभाषा ४७
२६. दर्शन के भेद ४७
२७. इन्द्रिय की परिभाषा ४९
२८,२९. इन्द्रिय के भेद ४९
३०. द्रव्येन्द्रिय के भेद ४९
३१. भावेन्द्रिय के भेद ५१
३२. इन्द्रियों के विषय ५१
३३. मन की परिभाषा ५१
३४,३५. जीव के स्वरूप ५३-५५
३६. औपशमिक भाव के प्रकार ५५
३७. क्षायिक भाव के प्रकार ५५
३८. क्षायोपशमिक भाव के प्रकार ५५
३९. औदयिक भाव के प्रकार ५५
४०. पारिणामिक भाव के प्रकार ५७

तृतीय प्रकाश

१,२. जीव के भेद ५९
३. संसारी जीवों के भेद ५९

४. स्थावर जीवों के भेद ५९
५. त्रसजीवों के भेद ६१
६. समनस्क और अमनस्क ६१
७. समनस्क जीवों के भेद ६३
८. अमनस्क जीवों के भेद ६३
९. जीवों के अवान्तर भेद ६३
१०. पर्याप्ति की परिभाषा ६३
११. पर्याप्ति के भेद ६३
१२. प्राण की परिभाषा ६५
१३. प्राण के भेद ६५
१४. जन्म के प्रकार ६५
१५. गर्भ से उत्पन्न होने वाले जीव ६७
१६. उपपात-जन्म वाले जीव ६७
१७. संमूर्च्छन-जन्म वाले जीव ६७
१८. योनि-स्थान ६७
१९. अजीव का लक्षण ६९
२०. अजीव के भेद ६९

चतुर्थ प्रकाश

१. कर्म की परिभाषा ७१
२. कर्म के भेद ७१
३. कर्म की अवस्थाएं ७३
४. बन्ध की परिभाषा ७५
५. बन्ध के भेद ७७
६. प्रकृति-बन्ध की परिभाषा ७७

७. स्थिति-बन्ध की परिभाषा ७७
८. अनुभाग बन्ध की परिभाषा ७६
९. प्रदेश बन्ध की परिभाषा ७६
१०. पुण्य की परिभाषा ७६
११. पाप की परिभाषा ७६
१२. पुण्य और पाप का बन्ध से पार्थक्य ८१
१३. आश्रव की परिभाषा ८१
१४. आश्रव के भेद ८१
१५. मिथ्यात्व की परिभाषा ८३
१६. मिथ्यात्व के भेद ८३
१७. अविरति की परिभाषा ८३
१८. प्रमाद की परिभाषा ८३
१९. कषाय की परिभाषा ८३
२०,२१. कषाय के भेद ८५
२२. योग की परिभाषा ८५
२३. योग के भेद ८७
२४. लेश्या की परिभाषा ८७
२५. लेश्या के भेद ८७

पंचम प्रकाश

१. संवर की परिभाषा ८९
२- संवर के भेद ८९
३. सम्यक्त्व की परिभाषा ८९
४,५. सम्यक्त्व के भेद ८९-९१
६. करण का निरूपण ९१

७. करण की परिभाषा ९१
८. करण के प्रकार ९१
९. सम्यक्त्व के लक्षण ९५
१०. सम्यक्त्व के अतिचार ९५
११. सम्यक्त्व के आचार ९५
१२. विरति की परिभाषा ९७
१३. अप्रमाद की परिभाषा ९७
१४. अकषाय की परिभाषा ९७
१५. अयोग की परिभाषा ९७
१६. निर्जरा की परिभाषा ९९
१७. तपस्या और निर्जरा ९९
१८. मोक्ष की परिभाषा ९९
१९,२०. सिद्ध की परिभाषा १०१
२१. सिद्धों की अपुनरावृत्ति १०१
२२. सिद्धों के प्रकार १०१
२३. मुक्तात्मा का ऊर्ध्वगमन १०१
२४. मुक्तात्मा का निवास-स्थान १०३
२५. दो तत्त्वों में नौ तत्त्व १०३
२६. जीव का स्वरूप १०५
२७. अजीव का स्वरूप १०५

षष्ठ प्रकाश

१. मोक्ष मार्ग की निष्पत्ति १०९
२. सम्यग्दर्शन की परिभाषा १०९
३. सम्यग् ज्ञान की परिभाषा १०९

४. सम्यक्चारित्र की परिभाषा १०६
५. चारित्र के प्रकार १११
६. चारित्र के अंग १११
७. महाव्रत के भेद १११
८. अहिंसा की परिभाषा ११३
९. सत्य की परिभाषा ११३
१०. अस्तेय की परिभाषा ११३
११. ब्रह्मचर्य की परिभाषा ११३
१२. अपरिग्रह की परिभाषा ११३
१३. समिति के प्रकार ११३
१४. ईर्या समिति की परिभाषा ११५
१५. भाषा समिति की परिभाषा ११५
१६. एषणा समिति की परिभाषा ११५
१७. आदान निक्षेप समिति की परिभाषा ११५
१८. उत्सर्ग समिति की परिभाषा ११५
१९. गुप्ति की परिभाषा और प्रकार ११५
२०. अनुप्रेक्षा की परिभाषा ११७
२१. अनुप्रेक्षा के भेद ११७
२२. अणुव्रत और शिक्षाव्रत ११७
२३. अणुव्रत के भेद ११७
२४. शिक्षाव्रत के भेद ११७
२५. प्रतिमा के भेद ११९
२६. संलेखना की परिभाषा ११९
२७. श्रावक के तीन मनोरथ ११९
२८. सम्यक् तप की परिभाषा १२१

२९. बाह्य तप के प्रकार १२१
३०. अनशन की परिभाषा १२१
३१. ऊनोदरिका की परिभाषा १२३
३२. वृत्तिसंक्षेप की परिभाषा १२३
३३. रसपरित्याग की परिभाषा १२३
३४. कायक्लेश की परिभाषा १२३
३५. प्रतिसंलीनता की परिभाषा १२३
३६. आभ्यन्तर तप के प्रकार १२३
३७. प्रायश्चित्त की परिभाषा १२५
३८. विनय की परिभाषा १२७
३९. वैयावृत्त्य की परिभाषा १२७
४०. स्वाध्याय की परिभाषा १२७
४१. ध्यान की परिभाषा १२९
४२. ध्यान के प्रकार १२९
४३. धर्म्य ध्यान के प्रकार १२९
४४. शुक्ल ध्यान के प्रकार १३१
४५. आर्त और रौद्र ध्यान का निरूपण १३३
४६,४७. आर्त ध्यान की परिभाषा १३३
४८. रौद्र ध्यान की परिभाषा १३५
४९. व्युत्सर्ग की परिभाषा १३५

सप्तम प्रकाश

१. जीवस्थान की परिभाषा १३७
२. जीवस्थान के भेद १३७
३. मिथ्या दृष्टि की परिभाषा १३७

४. सास्वादनसम्यक्दृष्टि की परिभाषा १३९
५. सम्यग्मिथ्यादृष्टि की परिभाषा १३९
६. अविरतसम्यग्दृष्टि की परिभाषा १३९
७. देशविरत की परिभाषा १४१
८. प्रमत्तसंयत की परिभाषा १४१
९. अप्रमत्तसंयत की परिभाषा १४१
१०. निवृत्तिबादर की परिभाषा १४१
११. अनिवृत्तिबादर की परिभाषा १४३
१२. श्रेणि-आरूढ़ के प्रकार १४३
१३. सूक्ष्म संपराय की परिभाषा १४३
१४. उपशान्त मोह और क्षीण मोह की परिभाषा १४३
१५. सयोगी केवली की परिभाषा १४५
१६. अयोगी केवली की परिभाषा १४५
१७. जीवस्थानों की स्थिति १४५
१८. सम्यग्दृष्टि आदि जीवों के क्रमशः असंख्य गुण अधिक निर्जरा १४५
१९. सांपरायिक बन्ध की परिभाषा १४७
२०. ईर्यापथिक की परिभाषा १४७
२१. अयोगी के कर्म बन्ध नहीं १४९
२२. छद्मस्थ की परिभाषा १४९
२३. जीवस्थान अशरीरी जीवों के नहीं १४९
२४. शरीर की परिभाषा १४९
२५. शरीर के भेद १४९
२६. पांचों शरीरों की उत्तरोत्तर सूक्ष्मता और असंख्य गुण प्रदेश-परिमाणता १५१

२७. तैजस और कार्मण का प्रदेश-परिमाण अनन्तगुण १५१
२८. तैजस और कार्मण अनन्तरालगति में भी १५१
२९. समुद्घात की परिभाषा १५३
३०. समुद्घात के प्रकार १५३
३१. निरूपक्रमायु १५५
३२. सोपक्रमायु १५७
३३. उपक्रम के कारण १५७

अष्टम प्रकाश

१. देव की परिभाषा १५९
२. गुरू की परिभाषा १५९
३. धर्म की परिभाषा १५९
४. धर्म का विभिन्न विकल्प १५९
५. धर्म का एक प्रकार १५९
६,७. धर्म के दो प्रकार १६१
८. धर्म के तीन प्रकार १६१
९. धर्म के चार प्रकार १६१
१०. धर्म के पांच प्रकार १६१
११. धर्म के दस प्रकार १६३
१२. धर्म की लोकधर्म से भिन्नता १६३
१३. धर्म और लोकधर्म की भिन्नता के तीन हेतु १६३
१४. लोकधर्म की परिभाषा १६५
१५. प्रेयस्-संपादन भी लोकधर्म १६५

नवम प्रकाश

१.	प्रमाण, नय, निक्षेप के द्वारा तत्त्वों की व्याख्या का निरूपण	१६७
२.	प्रमाण की परिभाषा	१६७
३.	नय की परिभाषा	१६७
४.	निक्षेप की परिभाषा	१६७
५.	निक्षेप के प्रकार	१६६
६.	नाम निक्षेप की परिभाषा	१७१
७.	स्थापना निक्षेप की परिभाषा	१७१
८.	द्रव्य निक्षेप की परिभाषा	१७१
९.	भाव निक्षेप की परिभाषा	१७२
१०.	निर्देश आदि के द्वारा पदार्थों का अनुयोग	१७५
११.	निर्देश आदि तत्त्व	१७५
	प्रशस्ति	१७६

परिशिष्ट

१.	विशेषव्याख्यात्मक टिप्पण	१८१
२.	पारिभाषिक शब्दकोश	१९५